कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, कतीरा, भोजपुर, आरा,

(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)

bhojpurkvk@gmail.com

09431091369

मौसम आधारित कृषि परामर्श

भोजपुर जिले के मौसम का पूर्वानुमान

मौसम कारक	24.04.2024	25.04.2024	26.04.2024	27.04.2024	28.04.2024
वर्षा (मि.मी.)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान (से.)	41.0	41.0	42.0	42.0	42.0
न्यूनतम तापमान (से.)	25.0	25.0	25.0	26.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	50	50	40
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	20	20	30	30	20
हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा)	20	20	20	16	16
पवन दिशा (डिग्री)	270	270	290	290	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	0	0	0	1

मौसम सारांश / चेतावनी :

- भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 24 से 28 अप्रैल के दौरान आसमान प्रायः एवं मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। दक्षिण बिहार के अधिकांश जिलों में गर्म दिन और लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 41–42 डिग्री सेंटीग्रेट और न्यूनतम तापमान 25–26 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है।
- सापेक्षित आर्द्रता सुबह में 30 से 50 प्रतिशत तथा दोपहर में 10 से 30 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पुर्वानुमान की अवधी में सतही हवा की गति तेज रह सकती है। इस अवधी में 16–20 किमी/घंटा की रफतार से पछिया हवा चज सकती है।

सामान्य सलाह :

पूर्वानुमानित अवधि में तापमान में बृद्वि को देखते हुए मक्का एवं सब्जियों में सिचाई करें। गेहूँ के दानों को अच्छी तरह धूप में सूखाने के बाद भंडारण करें।

लघु संदेश सलाह :

रबी फसल की कटाई के बाद खाली खेतों की मिट्टी की जॉच आवश्य कराऍ।

फसल विशिष्ट सलाह :

मूँग	विगत माह में बोयी गई मूंग व उरद की फसल में निकाई–गुराई एवं बछनी करें। इन फसलों में सघन रोमोवाली सुडिया की निगरानी करें। इनके सुडियों के शरीर के उपर काफी घने बाल पाये जाते हैं। यह मूंग एवं उरद के पौधों के कोमल भागों विशेषकर पत्तियों को खाती है। इनकी संख्या अधिक रहने पर कभी–कभी केवल डण्ठल ही शेष रह जाती है। इस प्रकार इस कीट से

	फसल को काफी नुकसान एवं उपज में काफी कमी आती है। रोक थाम हेतु फसल में मिथाइल पैराथियान 50ई0सी0 दवा 2 मि0ली0/लीटर या क्लोरपाईरिफॉस 20ई0सी0 दवा का 2.5 मि0ली0/ली0 पानी की दर से घोल बनाकर फसल में छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह :

भिण्डी	भिंडी की फसल में फल एवं प्ररोह वेधक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू भ्सिंडी फलों के अन्दर छेद बनाकर उसके अन्दर घुसकर फलों को खाते हैं तथा इसे पूरी तरह नष्ट कर देते है। इसकी रोक–थाम के लिए सर्व प्रथम प्रभावित फलों को तोड़कर मिट्टी के अन्दर दबा दें। अधिक नुकसान होने पर डाईमेथोएट 30 ई0सी0दवा का 1.5 मी0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
आम	आम के पेड़ में लाल धारीदार फल बेधक की निगरानी करें। इस कीट से रोकथाम हेतु डेलटामेथ्रिन 2.0 मि0ली0/लीटर या लेम्ब्डा–सायलोहेथरीन 1.0 मि0ली0/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर आसमान साफ रहने पर ही पेड़ पर समान रूप से छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाहः

गाय	गर्मीयों में दुधारू पशुओं को सूखा चारा की मात्रा कम दें और दाना की मात्रा बढ़ा दें। दाने में तिलहन अनाज का प्रयोग करें। चारा दाना प्रातः 5:00 बजे और शाम में धूप खत्म होने के बाद ही दें। साफ एवं ठंढ़ा पानी पूरे समय दें। प्रत्येक व्यस्क प्शु को 50 ग्राम खनीज विटामिन मिश्रण एवं 50 ग्राम नमक दें।

अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाहः

कृषि क्षेत्र	फसल की कटाई के तुरंत बाद खेत से मिट्टी के नमूनों को इकट्ठा कर मृदा जॉच आवश्य करवाकर आगामी फसल के लिए समेकित उर्वरक प्रबंधन करें।